>

Title : Need to take stringent action against the people involved in the alleged desecration of the statues of Dr. B.R. Ambedkar and Guru Ravidas in Basti district of Uttar Pradesh.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर और संतशिरोमणि गुरु रविदास के सम्मान की रक्षा करने सम्बन्धी विषय पर बोलने का अवसर दिया। भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास के सम्मान को चोट पहुंचाने की अनेकों-अनेक घटनाएं होती रहती हैं। उन्हें रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है।

तीन दिन पहले की बात है। उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद, थाना बाललटर गंज, ग्राम भादी मजहरिया में दिनांक 18 अप्रैल रात को असामाजिक तत्वों द्वारा दोनों मूर्तियों के हाथ व कान तोड़ दिए गए। जिससे पूरे क्षेत्र में, दलित समाज में व्यापक उत्तेजना है। गांव के लोगों ने बासी बस्ती मार्ग पर रोड को जाम करने की धमकी दी, लेकिन प्रशासन के समझाने पर उन्होंने अपना कार्यक्रम स्थगित कर दिया। उन्हें यह आश्वासन दिया गया कि जो अराजक तत्व इसके लिए जिम्मेदार हैं, उनके विरुद्ध प्रशासन सख्त कार्यवाही करेगा। तब उन्होंने रोड जाम करने का कार्यक्रम स्थगित कर दिया। बहुत खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि अभी तक न तो कोई मुकदमा दर्ज हुआ और न ही कोई गिरफ्तारी की गई है। दलितों का आरोप है कि पुलिस सत्ता दल के लोगों के दबाव में मूर्ति तोड़ने वालों का बचाव कर रही है।

इससे पूर्व भी वर्ष 2005 में इन मूर्तियों को तोड़ा गया था, लेकिन उस समय मामला रफा-दफा कर दिया गया। इसी प्रकार गोरखपुर जनपद के थाना बेलीपार स्थित एकला बाजार में दिनांक 28 फरवरी, 2010 को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति को पूरी तरह से तोड़ दिया गया, जिससे कारण स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया और लोगों ने होली न मनाने का निर्णय लिया। प्रशासन के समझाने पर तथा नई मूर्ति स्थापित करने के बाद लोगों का आक्रोश शांत हुआ, लेकिन मूर्ति तोड़ने वालों के खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर और संत शिरोमणि गुरु रविदास जी केवल दलितों के ही मसीहा नहीं हैं, बल्कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत थे। इनके मान सम्मान को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार और पूरे समाज की है। मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि उत्तर प्रदेश में जहां कहा जाता है कि दलित समाज से संबंध रखने वाली मुख्यमंत्री हैं, वहां दलितों से संबंधित महापुरुषों के मान सम्मान की रक्षा नहीं हो रही है। मात्र अपनी मूर्ति लगाने से अपने आपको महिमा मंडित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमारे जो पहले महापुरुष रहे हैं, उनके मान सम्मान की रक्षा के लिए बहुत ठोस कदम उठाने चाहिए।

मेरा निवेदन है कि केंद्र सरकार की तरफ से राज्य सरकारों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि इस प्रकार के मामलों में कठोरतम कार्यवाही की जाए। धन्यवाद।

श्री मंगनी लाल मंडल (झंझारपुर): महोदया, माननीय सदस्य ने जिन घटनाओं का उल्लेख किया है, वह बहुत खेदजनक हैं। मैं अपने को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।